एम.एच.डी–02 : आधुनिक हिंदी काव्य

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी–02
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी–02/टी.एम.ए./2020–21
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित प्रत्येक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12x3= 36

(क) जीवन की जटिल समस्या
है बढ़ी जटा सी कैसी
उड़ती है धूल हृदय में
किसकी विभूति है ऐसी?
जो घनीभूत पीड़ा थी
मस्तक में स्मृति सी छाया
दुर्दिन में आँसू बनकर
वह आज बरसने आयी।

(ख) यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।
यह जन हैः गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गायेगा?
पनडुब्बा : ये मोती सच्चे फिर कौन कृति लायेगा।
यह समिधा : ऐसी आग हठीला बिरला सुलगायेगा।
यह अद्वितीय : यह मेरा : यह मैं स्वयं विसर्जित
यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इस को भी पंक्ति को दे दो।

(ग) एक आदमी
रोटी बेलता है
एक आदमी रोटी खाता है
एक तीसरा आदमी भी है
जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है।
वह सिर्फ रोटी से खेलता है
मैं पूछता हूँ–
'यह तीसरा आदमी कौन है?
मेरे देश की संसद मौन है।

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में दीजिए। 16x4= 64

(क) महादेवी वर्मा की काव्य संवेदना की प्रमुख विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) नागार्जुन के काव्य के रचना–विधान के प्रमुख तत्वों तथा रूप प्रयोग पर प्रकाश डालिए।

(ग) फैंटेसी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए मुक्तिबोध की कविताओं के विश्लेषण के संदर्भ में इसकी उपयोगिता का विवेचन कीजिए।

(घ) 'रघुवीर सहाय अपने समय के आर–पार देखते कवि हैं'– इस कथन की समीक्षा कीजिए।